आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 4/अंक 4/दिसंबर 2024
Received: 10/12/2024; Published: 30/12/2024

कविता

पड़ाव

- तुलसी छेत्री
मोबाइल संख्या: 9620566674
अथिति संकाय, कॉटन यूनिवर्सिटी
असम

लौट जाने के पड़ाव में
जीना सीखती औरतें,
किस मिट्टी की लीपा-पोती
से बनी, औरतें?
जांघों बीच निकाल
रंगीन पोस्टर लगाती,औरतें,
छिली कोहनियों से
साइकिल का
पहिया दौड़ाती, औरतें,
नाजुक लिस-लिसे कतरन,
उम्मीदों को तारों पर पसारती, औरतें,
छाती की गोलाईयों बीच
सूरज उगाती, ढालती, औरतें
उसकी, सबकी नजरों से परे
संदर्भ से भूमिका में परिवर्तित होती औरतें।

****